मेरे संकट हरो हनुमान | By Narendra Kaushik |

मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

बहू बेटियां नइयो रोक्या चला
राम भजन की बना दी माला
मेरी कर दी नींद हराम
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

मुझ दुखिया पे रे हुकुम चलावे
काम की कह दूं ते आंख दिखावे
रहूं रोती रात तमाम
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

पड़े किस्मत का यो उल्टा पासा
रोज देखतयो धाम तमासा
म्हारा ईसा मचा कोहराम
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

हर दिन बहू करे नई जिलत्तड़
मार खिलाए बड़ी रहमी तर
सुबह से हो जावे शाम
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

बालाजी मैं दुखी घणी हूं
सब केरियां बेचैन बड़ी हूं
सुख पाई ना बीते जाम
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

कुरुम म्हारी मेंहक गयो रासा
जय भगवान में बीत रही आपा
तेरा गावण देना गुणगान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी
मेरे संकट हरो हनुमान
तेरे सौ के लड्डू बाटूंगी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%9f-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-narendra-kaushik/